NCERT Series

दृष्टि The Vision

NCERT

THROUGH QUESTIONS

भारतीय राजव्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था

द्वितीय संस्करण

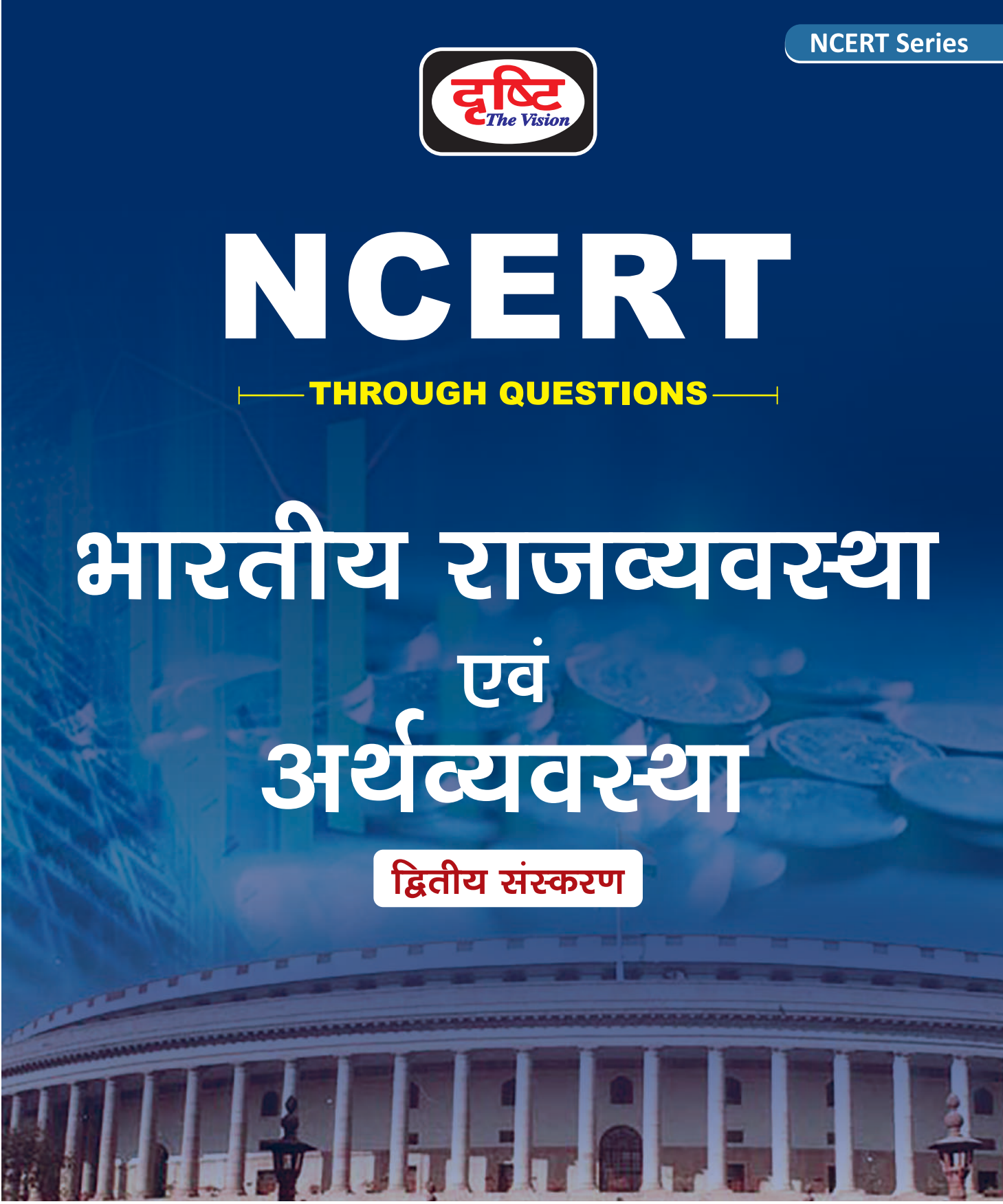

कक्षा 8 से 12 तक की एनसीईआरटी
का अध्यायवार वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का व्याख्या सहित हल

अब घर बैठे कीजिये आई.ए.एस. की तैयारी क्योंकि हम आ रहे हैं आपके घर

हिंदी साहित्य

द्वारा- डॉ. विकास दिव्यकीर्ति

मोड : ऑनलाइन / पेन ड्राइव

IAS परीक्षा में सर्वाधिक अंकदायी वैकल्पिक विषय 'हिंदी साहित्य' पढ़िये सिविल सेवा जगत के सबसे लोकप्रिय शिक्षक डॉ. विकास दिव्यकीर्ति से। इस कोर्स में शामिल हैं 157 रोचक कक्षाएँ, जिनमें IAS का संपूर्ण पाठ्यक्रम एकदम आधारभूत स्तर से शुरू करते हुए पढ़ाया गया है। इन कक्षाओं को गंभीरता से करने और क्लास नोट्स (जो आपके पास भेजे जाएंगे) को पढ़ने के बाद आपको कुछ भी अतिरिक्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। इन कक्षाओं से परीक्षा की तैयारी तो होगी ही, साथ ही जीवन के प्रति सुलझा हुआ नज़रिया भी विकसित होगा।

यह कोर्स ऑनलाइन मोड (ऐप) के अलावा पेन ड्राइव मोड में भी उपलब्ध है। यदि आप इंटरनेट नेटवर्क की कमी या किसी अन्य कारण से यह कोर्स मोबाइल फोन की बजाय लैपटॉप/कंप्यूटर पर करना चाहते हैं तो कृपया ऐप के होम पेज पर जाकर पेनड्राइव कोर्स की टैब पर क्लिक करें।

एडमिशन प्रारंभ

कक्षाओं की गुणवत्ता को परखने के लिये डेमो वीडियोज़ हमारे यूट्यूब चैनल Drishti IAS की प्लेलिस्ट Online Courses में देखें	ऑनलाइन कोर्स से जुड़ी हर जानकारी के लिये हमारी वेबसाइट www.drishtiias.com या Drishti Learning App पर FAQs पेज देखें

इस कोर्स से संबंधित किसी भी अतिरिक्त जानकारी के लिये 9311406440-41 नंबर पर सीधे बात या मैसेज करें

हिंदी साहित्य : कोर्स की विशेषताएँ

1. UPSC के पाठ्यक्रम के लिए 400+ घंटे की कक्षाएँ।
2. UPPCS एवं BPSC के विशिष्ट टॉपिक्स के लिये 30-30 घंटे की पृथक कक्षाएँ।
3. प्रत्येक कक्षा को 3 बार देखने की सुविधा, ताकि आप टॉपिक को पढ़ने के बाद रिवीज़न भी कर सकें।
4. हर क्लास में उस टॉपिक से IAS, PCS में पूछे गए और अन्य संभावित प्रश्नों का विस्तृत अभ्यास।
5. स्टेट-ऑफ-द-आर्ट कैमरा और साउंड क्वालिटी, जो क्लास के अनुभव को एकदम वास्तविक जैसा बनाती है।
6. पाठ्यक्रम की टेक्स्ट बुक्स व नोट्स भी इस कार्यक्रम में शामिल, जिनके अलावा किसी अन्य अध्ययन सामग्री की आवश्यकता नहीं।

अधिक जानकारी के लिये अपने एंड्रॉयड फोन पर आज ही इंस्टॉल करें

Drishti Learning App

दृष्टि आई.ए.एस. (दिल्ली) : 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-09 ☎ 87501 87501	दृष्टि आई.ए.एस. (प्रयागराज) : ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज ☎ 87501 87501

भारतीय राजव्यवस्था

एवं

अर्थव्यवस्था

द्वितीय संस्करण

दृष्टि पब्लिकेशन्स

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष: 011-47532596, 87501 87501
Website : www.drishtiias.com
E-mail : booksteam@groupdrishti.com

शीर्षक : भारतीय राजव्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था
लेखक : टीम दृष्टि

द्वितीय संस्करण : फरवरी 2021

मूल्य : ₹ 150

प्रकाशक
VDK Publications Pvt. Ltd.
(दृष्टि पब्लिकेशन्स)
641, प्रथम तल,
डॉ. मुखर्जी नगर,
दिल्ली-110009

विधिक घोषणाएँ

✸ इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये ज़िम्मेदार नहीं है।

✸ हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।

✸ सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।

✸ **© कॉपीराइट :** दृष्टि पब्लिकेशन्स (A Unit of VDK Publications Pvt. Ltd.), सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता।

✸ एम.पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेज़-2, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित।

दो शब्द

प्रिय पाठको,

सिविल सेवा में जाने की इच्छा रखने वाले हर विद्यार्थी का शुरुआती मन इस दुविधा से जूझता ही है कि यात्रा का प्रारंभ किस प्रकार किया जाए? सबसे पहले किन पुस्तकों को पढ़ा जाए और किसे छोड़ा जाए, यह द्वंद्व विद्यार्थियों के समक्ष उपस्थित रहता है। ऐसा होना स्वाभाविक भी है क्योंकि सिविल सेवा का पाठ्यक्रम इतना विस्तृत है कि अगर गलत दिशा में तैयारी शुरू हो गई तो इसे तैयार कर पाना असंभव है। इसलिये इस विस्तृत पाठ्यक्रम को तैयार करने का सिरा कहाँ से खुलता है, इसकी सटीक पहचान करना आवश्यक है, तभी क्रमशः अंतिम सिरे तक पहुँचा जा सकता है। प्रस्तुत पुस्तक उसी प्रारंभिक सिरे की खोज की एक कोशिश है जहाँ से आप अपनी तैयारी की शुरुआत कर सकते हैं; अर्थात् यह आपके लिये एक आधार पुस्तक का कार्य करेगी।

अब अगर हम इस प्रश्न पर विचार करें कि आखिर किन कसौटियों पर किसी पुस्तक को आधार पुस्तक माना जाए तो इसका सरल सा जवाब यह है कि जो विशुद्ध रूप से आपके पाठ्यक्रम से जुड़ा हो, जिसमें अवधारणात्मक स्पष्टता हो, तथ्यों की प्रामाणिकता हो, जिसे श्रेष्ठ अकादमिक विद्वानों द्वारा तैयार किया गया हो, जिसमें पाठ के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करने की शक्ति हो और जिसे स्वयं आयोग भी मानक पुस्तक के रूप में स्वीकार करता हो। इन सब विशेषताओं को एक साथ एनसीईआरटी की पुस्तकों में देखा जा सकता है। एनसीईआरटी की पुस्तकें न केवल बुनियादी अवधारणाओं व तथ्यों से हमारा परिचय कराती हैं बल्कि इनमें ज्ञान के विस्तार के बीज भी छिपे होते हैं; अर्थात् यदि इन पुस्तकों को ठीक से तैयार कर लिया जाए तो परस्पर क्रमबद्धता के कारण आगे की तैयारी आसान हो जाती है। इतना ही नहीं कई बार तो सीधे एनसीईआरटी की पुस्तकों से ही सवाल पूछ लिये जाते हैं। ऐसे में इन पुस्तकों के महत्त्व पर तो कोई संशय है ही नहीं किंतु आपके मन में यह सवाल ज़रूर उठता होगा कि जब एनसीईआरटी की पुस्तकें सहज रूप से उपलब्ध हैं तो इस पर आधारित कोई अन्य पुस्तक क्यों पढ़ी जाए? आइये, इस पर विचार करते हैं।

सबसे पहले हम आपको इस पुस्तक की विषयवस्तु से अवगत कराएँ कि प्रश्नोत्तर शैली में तैयार की गई इस पुस्तक में राजनीति विज्ञान की कक्षा VIII से XII तक तथा अर्थव्यवस्था की कक्षा IX से XII तक की समस्त एनसीईआरटी पुस्तकों को शामिल किया गया है। इसमें प्रत्येक अध्याय पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों तथा व्याख्या सहित उनके उत्तरों को समाहित किया गया है। यहीं यह स्पष्ट कर देना भी आवश्यक होगा कि हमने पुस्तक में उन अध्यायों को शामिल नहीं किया है जो प्रारंभिक परीक्षा के लिहाज़ से अनुपयोगी हैं। इस प्रकार राजनीति विज्ञान की कक्षा-IX के अध्याय-1 (लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों?), कक्षा-X के इकाई-II के अध्याय-3 (लोकतंत्र और विविधता) व इकाई-IV के अध्याय-8 (लोकतंत्र की चुनौतियाँ) तथा कक्षा-XI के अध्याय-I (राजनीतिक सिद्धांत-एक परिचय) को प्रस्तुत पुस्तक में शामिल नहीं किया गया है। साथ ही अर्थशास्त्र की कक्षा-XII की पाठ्यपुस्तक 'व्यष्टि अर्थशास्त्र : एक परिचय' को भी शामिल नहीं किया गया है। अब 'यही पुस्तक क्यों?' पर विचार करें तो इसकी कई वजहें नज़र आती हैं।

सबसे पहली वजह तो यही है कि एनसीईआरटी की पुस्तकें अपने स्वरूप में इतनी सघन होती हैं कि उसके मूल पाठ को उसी रूप में ग्रहण कर पाना कठिन होता है। इसलिये हमने प्रत्येक अध्याय को प्रश्नों के रूप में विभाजित कर आपके समक्ष प्रस्तुत किया है ताकि आपको पाठ ग्रहण करने में आसानी हो। फिर कई बार ऐसा होता है कि हम पूरी किताब पढ़ जाते हैं किंतु परीक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हिस्सों पर ठीक से ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। यही वजह है कि पढ़े हुए अध्याय से प्रश्न आने पर भी हम उसे गलत कर बैठते हैं। प्रस्तुत पुस्तक में हमने आपकी इसी मुश्किल का हल तलाशने की कोशिश की है तथा परीक्षोपयोगी तथ्यों पर विशेष रूप से फोकस किया है। इसके अतिरिक्त आप प्रस्तुत पुस्तक के माध्यम से वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हल करने की तकनीक से भी परिचित हो सकेंगे कि कैसे एक-से लगने वाले विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव किया जाए। इस तकनीक का अभ्यास प्रारंभिक परीक्षा में आपको निर्णायक मदद पहुँचा सकेगा। साथ ही व्याख्या के क्रम में हमने उन परीक्षोपयोगी सामग्रियों को भी शामिल कर लिया है जिनका किसी कारणवश एनसीईआरटी की पुस्तकों में उल्लेख नहीं था। इससे आपकी जानकारी और समृद्ध होगी। सबसे बढ़कर 150 पृष्ठों वाली इस पुस्तक को आप बार-बार रिवाइज़ कर सकते हैं जबकि इसके मूल पाठ के साथ ऐसा करना काफी समयसाध्य होगा। इस प्रकार यह पुस्तक आपके लिये कई मायनों में उपयोगी है।

अतः आप निश्चिंत होकर इस पुस्तक को पढ़ें तथा अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराएँ। अगर आपको हमारा प्रयास अच्छा लगा हो तो हमें बताएँ। इससे हमारा उत्साह बढ़ता है तथा हम और अच्छा करने के लिये प्रेरित होते हैं। पुस्तक में कोई कमी दिखे तो भी हमसे साझा करें। यह हमारे लिये मार्गदर्शक का कार्य करेगा। **आप अपनी राय हम तक '8130392355' नंबर पर वाट्सएप मैसेज के माध्यम से पहुँचा सकते हैं।**

साभार,
प्रधान संपादक
दृष्टि पब्लिकेशन्स

अनुक्रम

राजव्यवस्था

कक्षा–VIII : सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन–III 1-12

- **इकाई–I : भारतीय संविधान और धर्मनिरपेक्षता**
  1. भारतीय संविधान
  2. धर्मनिरपेक्षता की समझ
- **इकाई–II : संसद तथा कानूनों का निर्माण**
  3. हमें संसद क्यों चाहिये?
  4. कानूनों की समझ
- **इकाई–III : न्यायपालिका**
  5. न्यायपालिका
  6. हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली
- **इकाई–IV : सामाजिक न्याय और हाशिये की आवाज़ें**
  7. हाशियाकरण की समझ
  8. हाशियाकरण से निपटना
- **इकाई–V : आर्थिक क्षेत्र में सरकार की भूमिका**
  9. जनसुविधाएँ
  10. कानून और सामाजिक न्याय

कक्षा–IX : लोकतांत्रिक राजनीति–I 13-23

1. लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों?
2. संविधान निर्माण
3. चुनावी राजनीति
4. संस्थाओं का कामकाज
5. लोकतांत्रिक अधिकार

कक्षा–X : लोकतांत्रिक राजनीति–II 24-27

- **इकाई–I**
  1. सत्ता की साझेदारी
  2. संघवाद
- **इकाई–II**
  3. लोकतंत्र और विविधता
  4. जाति, धर्म और लैंगिक मसले
- **इकाई–III**
  5. जन-संघर्ष और आंदोलन
  6. राजनीतिक दल
- **इकाई–IV**
  7. लोकतंत्र के परिणाम
  8. लोकतंत्र की चुनौतियाँ

कक्षा–XI : राजनीतिक सिद्धांत

कक्षा–XI : भारत का संविधान : सिद्धांत और व्यवहार 28-72

- **राजनीतिक सिद्धांत**
  1. राजनीतिक सिद्धांत : एक परिचय
  2. स्वतंत्रता
  3. समानता
  4. सामाजिक न्याय
  5. अधिकार
  6. नागरिकता
  7. राष्ट्रवाद
  8. धर्मनिरपेक्षता
  9. शांति
  10. विकास

◆ भारत का संविधान : सिद्धांत और व्यवहार

1. संविधान - क्यों और कैसे?
2. भारतीय संविधान में अधिकार
3. चुनाव और प्रतिनिधित्व
4. कार्यपालिका
5. विधायिका
6. न्यायपालिका
7. संघवाद
8. स्थानीय शासन
9. संविधान - एक जीवंत दस्तावेज़
10. संविधान का राजनीतिक दर्शन

कक्षा–XII : स्वतंत्र भारत में राजनीति 73-97

1. राष्ट्र-निर्माण की चुनौतियाँ
2. एक दल के प्रभुत्व का दौर
3. नियोजित विकास की राजनीति
4. भारत के विदेश संबंध
5. कॉन्ग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना
6. लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट
7. जन आंदोलनों का उदय
8. क्षेत्रीय आकांक्षाएँ
9. भारतीय राजनीति : नए बदलाव

अर्थव्यवस्था

कक्षा–IX : अर्थशास्त्र 99-103

1. पालमपुर गाँव की कहानी
2. संसाधन के रूप में लोग
3. निर्धनता : एक चुनौती
4. भारत में खाद्य सुरक्षा

कक्षा–X : आर्थिक विकास की समझ 104-108

1. विकास
2. भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक
3. मुद्रा और साख
4. वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था
5. उपभोक्ता अधिकार

कक्षा–XI : भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास 109-133

◆ इकाई-I : विकास नीतियाँ और अनुभव (1947–90)

1. स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था
2. भारतीय अर्थव्यवस्था (1950-90)

◆ इकाई-II : आर्थिक सुधार 1991 से

3. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण : एक समीक्षा

◆ इकाई-III : भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियाँ

4. निर्धनता
5. भारत में मानव पूंजी का निर्माण
6. ग्रामीण विकास
7. रोज़गार-संवृद्धि, अनौपचारीकरण एवं अन्य मुद्दे
8. आधारिक संरचना
9. पर्यावरण और धारणीय विकास

◆ इकाई-IV : भारत और इसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव

10. भारत और इसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव

कक्षा–XII : समष्टि अर्थशास्त्र : एक परिचय 134-146

1. परिचय
2. राष्ट्रीय आय का लेखांकन
3. मुद्रा और बैंकिंग
4. आय निर्धारण
5. सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था
6. खुली अर्थव्यवस्था : समष्टि अर्थशास्त्र

राजव्यवस्था

खंड-1

सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन-III

कक्षा VIII

इकाई-I : भारतीय संविधान और धर्मनिरपेक्षता

1. भारतीय संविधान

1. संविधान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. जिन देशों के पास अपना संविधान होता है वे सभी लोकतांत्रिक देश होते हैं।
2. संविधान समाज के मूलभूत स्वरूप का निर्धारण करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)
व्याख्या : यह आवश्यक नहीं है कि जिन देशों के पास अपना संविधान होता है वे सभी लोकतांत्रिक देश होते हैं, उदाहरण- चीन, वेनेजुएला आदि। अत: कथन 1 गलत है। संविधान उन आदर्शों को सूत्रबद्ध करता है जिनके आधार पर नागरिक अपने देश को अपनी इच्छा व सपनों के अनुसार रच सकता है। अत: केवल विकल्प 2 सही है।

2. संविधान सभा के गठन से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. 1934 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस ने संविधान सभा के गठन की मांग को पहली बार अपनी अधिकृत नीति में शामिल किया।
2. भारत में संविधान सभा का गठन दिसंबर 1946 में किया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)
व्याख्या : 1934 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस ने संविधान सभा के गठन की मांग को पहली बार अपनी अधिकृत नीति में शामिल किया। दिसंबर 1946 से नवंबर 1949 के बीच संविधान सभा ने स्वतंत्र भारत के लिये संविधान का एक प्रारूप तैयार किया। अत: दोनों कथन सत्य हैं।

3. भारतीय संविधान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. भारतीय संविधान में अल्पसंख्यक वर्गों को संरक्षण प्रदान किया गया है।
2. संघवाद का अर्थ है देश में एक से ज़्यादा स्तर पर सरकारों का होना।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : भारतीय संविधान में इस बात का ख्याल रखा गया है कि अल्पसंख्यकों को उन सुविधाओं से वंचित न होना पड़े, जो बहुसंख्यकों को आसानी से उपलब्ध हैं। बहुसंख्यकों की निरंकुशता व दबदबेपन पर भी संविधान प्रतिबंध लगाता है ताकि वे सिर्फ अल्पसंख्यकों पर ही नहीं बल्कि अपने समुदाय के नीचे के तबके के लोगों को भी परेशान न कर पाएँ। भारत एक संघीय देश है। यहाँ केंद्र व राज्य दोनों स्तरों पर सरकार का प्रावधान है।

4. सरकार के अंगों में शामिल हैं-

1. कार्यपालिका
2. विधायिका
3. न्यायपालिका
4. नगरपालिका

कूट:

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (b)
व्याख्या : विधायिका में जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं। कार्यपालिका ऐसे लोगों का समूह है, जो कानून लागू करने व शासन चलाने का काम देखते हैं। न्याय की व्यवस्था न्यायपालिका द्वारा की जाती है। संविधान में इन तीनों को ही सरकार का अंग माना जाता है। अत: कथन 1, 2 तथा 3 सही हैं।

5. संविधान लागू होने के समय निम्नलिखित अधिकारों में से कौन-से अधिकार मौलिक अधिकारों में शामिल थे?

1. समानता का अधिकार
2. स्वतंत्रता का अधिकार
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार
4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
5. सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक अधिकार
6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार
7. संपत्ति का अधिकार

कूट:

(a) केवल 1, 2, 3 और 4
(b) केवल 1, 2, 4 और 7
(c) केवल 1, 2, 4, 5 और 6
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : संविधान लागू होने के समय उपर्युक्त सभी अधिकार मौलिक अधिकार के अंतर्गत शामिल थे। बाद में 44वें संविधान (संशोधन) अधिनियम, 1978 द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटा कर कानूनी अधिकार का दर्जा दे दिया गया था।

6. निम्नलिखित सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये-

सूची-I	सूची-II
A. संविधान सभा की अंतिम बैठक	1. 24 जनवरी, 1950
B. डॉ. अंबेडकर के अनुसार संविधान की आत्मा	2. प्रेम बिहारी नारायण
C. संविधान सभा की प्रथम बैठक	3. दिसंबर 1946
D. संविधान का हस्तलेखन	4. संवैधानिक उपचारों का अधिकार

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	1	4	3	2
(c)	3	4	1	2
(d)	3	2	1	4

उत्तर : (b)
व्याख्या : संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 को हुई थी। संविधान को हस्तलिखित करने का कार्य प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा ने किया था।

2. धर्मनिरपेक्षता की समझ

1. भारत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. मौलिक अधिकार लोगों की राज्य की सत्ता के साथ-साथ बहुमत की निरंकुशता से भी रक्षा करते हैं।
2. धर्म को राज्य से अलग रखने की अवधारणा को धर्मनिरपेक्षता कहा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : मौलिक अधिकार लोगों की राज्य की सत्ता के साथ-साथ बहुमत की निरंकुशता से भी रक्षा करते हैं। धर्म को राज्य से अलग रखने की अवधारणा को धर्मनिरपेक्षता कहा जाता है। अत: दिये गए दोनों कथन सत्य हैं।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. भारत में सभी नागरिकों को एक धर्म से निकलकर दूसरे धर्म को अपनाने की स्वतंत्रता प्राप्त है।
2. भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : देश के किसी भी नागरिक को स्वेच्छा से कोई भी धर्म अपनाने तथा धार्मिक उपदेशों की अपने अनुसार व्याख्या करने की स्वतंत्रता प्राप्त है। भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है। अर्थात् राज्य न तो किसी खास धर्म को थोपेगा और न ही लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता छीनेगा।

3. धर्मनिरपेक्षता के संदर्भ में राज्य के कर्त्तव्यों के बारे में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये-

1. भारतीय राज्य खुद को धर्म से दूर रखते हुए यह ध्यान देता है कि राज्य की बागडोर न तो किसी एक ही धार्मिक समूह के हाथों में जाए और न ही राज्य किसी एक धर्म को समर्थन दे।
2. धार्मिक क्रिया-कलापों में अहस्तक्षेप की नीति अपनाते हुए राज्य कुछ खास धार्मिक समुदायों को विशेष छूट देता है।
3. धार्मिक वर्चस्व को रोकने के लिये भारतीय राज्य कभी-कभी 'हस्तक्षेप' करते हुए धर्म में फैली बुराइयों का निषेध भी करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : दिये गए सभी विकल्प राज्य के कर्त्तव्यों के विषय में सत्य हैं।

4. अमेरिका से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. अमेरिका की विधायिका कानून बनाकर किसी भी धर्म को राजकीय धर्म घोषित कर सकती है।
2. संयुक्त राज्य अमेरिका में राज्य और धर्म के पृथक्करण का अर्थ है कि राज्य व धर्म दोनों एक-दूसरे के मामलों में किसी प्रकार का दखल नहीं दे सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)
व्याख्या : अमेरिकी संविधान में प्रथम संशोधन के द्वारा विधायिका को किसी भी ऐसे कानून को बनाने से रोक दिया गया, जो 'धार्मिक संस्थानों का पक्ष लेते हों' या 'धार्मिक स्वतंत्रता को रोकते हों।' इसका अर्थ है कि विधायिका किसी भी धर्म को राजकीय धर्म घोषित नहीं कर सकती है। अत: कथन 1 असत्य है। संयुक्त राज्य अमेरिका में राज्य और धर्म के पृथक्करण का अर्थ है कि राज्य व धर्म दोनों एक-दूसरे के मामलों में किसी प्रकार का दखल नहीं दे सकते हैं। अत: कथन 2 सत्य है।

लोकतांत्रिक राजनीति-I

2. संविधान निर्माण

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. 1928 में मोतीलाल नेहरू और कॉन्ग्रेस के कुछ अन्य सदस्यों ने मिलकर सर्वप्रथम भारत का एक संविधान बनाया था।
2. मोतीलाल नेहरू द्वारा बनाए गए संविधान में सार्वभौम वयस्क मताधिकार की बात शामिल थी।
3. 1931 के कराची अधिवेशन में भी संविधान की एक रूपरेखा रखी गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)

व्याख्या : 1928 में मोतीलाल नेहरू और कॉन्ग्रेस के कुछ अन्य सदस्यों ने मिलकर सर्वप्रथम भारत का एक संविधान बनाया था। मोतीलाल नेहरू द्वारा बनाए गए संविधान में सार्वभौम वयस्क मताधिकार, स्वतंत्रता और समानता का अधिकार व अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की बात शामिल थी। साथ ही 1931 में कराची में हुए भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के अधिवेशन में भी संविधान की एक रूपरेखा रखी गई थी। अत: दिये गए सभी कथन सत्य हैं।

2. संविधान निर्माताओं से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. संविधान सभा में ऐसे अनेक सदस्य थे जो कॉन्ग्रेसी नहीं थे।
2. संविधान सभा में समाज के अलग-अलग समूहों का प्रतिनिधित्व था।
3. संविधान सभा के सदस्यों की विचारधारा एक समान थी।
4. महात्मा गांधी ने संविधान निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सत्य हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (a)

व्याख्या : संविधान सभा संपूर्ण भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व कर रही थी। हालाँकि, उस समय सार्वभौमिक मताधिकार लोगों को प्राप्त नहीं था इसलिये संविधान सभा के सदस्यों का चयन जनता प्रत्यक्ष रूप से नहीं कर सकी। सभा के सदस्यों का चुनाव प्रांतीय असेंबली के सदस्यों (सन 1937 में प्रथम प्रांतीय असेंबली तथा सन् 1946 में द्वितीय प्रांतीय असेंबली के चुनाव हुए थे) ने ही किया था। इस सभा में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के सदस्यों का प्रभुत्व था। कॉन्ग्रेस के अंदर कई राजनैतिक समूह व विभिन्न विचारधारा के लोग थे। सामाजिक रूप से इस सभा में हर समूह, जाति, वर्ग, धर्म और पेशे के लोग थे। बहुत से सदस्य संविधान सभा में ऐसे भी थे जो गैर-कॉन्ग्रेसी थे। अत: कथन 1 और 2 सत्य हैं। इस सभा में देश के लगभग सभी समूहों के व विभिन्न विचारधारा के लोगों का प्रतिनिधित्व था। इस सभा में उपस्थित सभी सदस्यों की विचारधारा एक नहीं थी। साथ ही देश की आज़ादी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गांधीजी इस सभा में शामिल नहीं थे। हालाँकि, गांधीवादी विचारधारा के समर्थक इस सभा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। अत: कथन 3 और 4 असत्य हैं।

3. डॉ. अंबेडकर के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. वह भेदभाव व गैर-बराबरी मुक्त भारत के प्रबल समर्थक थे।
2. अंबेडकर, गांधी व उनकी विचारधारा के प्रबल समर्थक थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)

व्याख्या : भेदभाव व गैर-बराबरी मुक्त भारत के डॉ. अंबेडकर व महात्मा गांधी दोनों ही समर्थक थे लेकिन दोनों की विचारधाराओं में अनेक अंतर थे। गांधीजी कर्म सिद्धांत में विश्वास करते थे। गांधीजी का मानना था कि जो व्यक्ति जिस वर्ग में जन्म लेता है उसे उसी वर्ग के कर्त्तव्यों का पालन करते हुए आगे बढ़ना चाहिये जिसका डॉ. अंबेडकर कड़ा विरोध करते थे। अत: कथन 1 सत्य जबकि कथन 2 असत्य है।

4. संविधान की उद्देशिका में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिये-

1. समाजवादी
2. पंथनिरपेक्ष
3. गणराज्य
4. लोकतंत्रात्मक
5. प्रभुत्वसंपन्न

कूट:

(a) 1, 2, 5, 4, 3 (b) 5, 1, 2, 4, 3
(c) 4, 5, 1, 2, 3 (d) 1, 2, 4, 5, 3

उत्तर : (b)

व्याख्या : संविधान की उद्देशिका में प्रयुक्त शब्दों का सही क्रम- प्रभुत्वसंपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य है।

5. प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अबुल कलाम आज़ाद की विशेषताओं के संदर्भ में सत्य है/हैं-

1. शिक्षाविद्
2. लेखक
3. धर्मशास्त्रों के ज्ञाता
4. अरबी के विद्वान

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 1, 2 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

लोकतांत्रिक राजनीति-II

इकाई-I

1. सत्ता की साझेदारी

1. निम्नलिखित में से कौन-सा/से लोकतंत्र में सत्ता के क्षैतिज बँटवारे को निरूपित करता है/करते हैं?

1. कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका
2. केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं स्थानीय सरकार

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)

व्याख्या : केंद्र, राज्य एवं स्थानीय स्तर की सरकारों के रूप में सत्ता का बँटवारा क्षैतिज न होकर ऊर्ध्वाधर प्रकृति का होता है। अत: कथन 2 गलत है।

कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका एक ही स्तर पर रहकर अपनी-अपनी शक्ति का प्रयोग करते हैं तथा नियंत्रण एवं संतुलन की व्यवस्था की पूर्ति करते हैं। अत: कथन 1 सही है।

2. संघवाद

1. निम्नलिखित में से कौन संघीय व्यवस्था की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ हैं?

1. दो या अधिक स्तरों वाली सरकार
2. कानून बनाने, कर वसूलने और प्रशासन का अपना-अपना अधिकार क्षेत्र
3. संविधान द्वारा सरकार के हर स्तर के अस्तित्व और प्राधिकार की गारंटी और सुरक्षा
4. राज्य की सरकार केंद्रीय सरकार के प्रति जवाबदेह

कूट:

(a) केवल 1 और 4 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर : (c)

व्याख्या : राज्य की सरकार का केंद्रीय सरकार के प्रति जवाबदेह होना संघीय व्यवस्था नहीं बल्कि एकात्मक व्यवस्था की विशेषता है।

2. भारतीय संघीय व्यवस्था के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

1. प्रतिरक्षा, बैंकिंग, संचार-संघ सूची के विषय हैं।
2. शिक्षा, वन, विवाह-राज्य सूची के विषय हैं।
3. व्यापार, वाणिज्य, सिंचाई-समवर्ती सूची के विषय हैं।

कूट:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर : (c)

व्याख्या : शिक्षा, वन, विवाह-समवर्ती सूची, जबकि व्यापार, वाणिज्य एवं सिंचाई-राज्य सूची के विषय हैं। अत: कथन 2 और 3 सही नहीं है।

3. केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सत्ता के बँटवारे की व्यवस्था में बदलाव के लिये आवश्यक है-

(a) संसद के दोनों सदनों में साधारण बहुमत की मंजूरी
(b) संसद के दोनों सदनों में साधारण बहुमत एवं आधे से अधिक राज्यों की मंजूरी
(c) संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत
(d) संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत एवं आधे से अधिक राज्यों की मंजूरी

उत्तर : (d)

व्याख्या : भारतीय संविधान के अनुच्छेद-368(2) के अनुसार।

4. 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन द्वारा प्रदत्त व्यवस्था के अनुसार-

1. स्थानीय स्वशासी निकायों के चुनाव नियमित रूप से करना संवैधानिक बाध्यता है।
2. एक तिहाई पद महिलाओं के लिये आरक्षित हैं।
3. हर राज्य में पंचायत एवं नगरपालिका चुनाव कराने के लिये राज्य चुनाव आयोग नामक स्वतंत्र संस्था का गठन किया गया है।
4. स्थानीय स्वशासी निकायों की सत्ता में भागीदारी हर राज्य में एक समान है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 4
(d) केवल 4

उत्तर : (d)

व्याख्या : स्थानीय स्वशासी निकायों की सत्ता में भागीदारी की प्रकृति एवं मात्रा का निर्धारण राज्य के विधानमंडल के अधीन है, फलत: यह भिन्न-भिन्न हो सकता। अत: कथन 4 गलत है।

राजनीतिक सिद्धांत

2. स्वतंत्रता

1. 'स्वतंत्रता' का अर्थ है-

1. बाहरी प्रतिबंधों का अभाव होना।
2. ऐसी स्थितियों का होना जिनमें लोग अपनी प्रतिभा का विकास कर सकें।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

यदि किसी व्यक्ति पर बाहरी नियंत्रण या दबाव न हो और वह बिना किसी पर निर्भर हुए निर्णय ले सके तथा स्वायत्त तरीके से व्यवहार कर सके, तो वह व्यक्ति स्वतंत्र माना जा सकता है। हालाँकि, प्रतिबंधों का न होना स्वतंत्रता का केवल एक पहलू है। अत: स्वतंत्रता वह स्थिति है जिसमें लोग अपनी रचनात्मकता और क्षमताओं का विकास कर सकें।

2. 'उदारवाद' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. उदारवादी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को समानता जैसे अन्य मूल्यों से अधिक वरीयता देते हैं।
2. उदारवादी कल्याणकारी राज्य की भूमिका को स्वीकार करते हैं।
3. उदारवाद के अनुसार सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने वाले उपायों की ज़रूरत है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 एवं 3
(c) केवल 1 एवं 3 (d) 1, 2 एवं 3

उत्तर : (d)

व्याख्या : आधुनिक उदारवाद की विशेषता यह है कि इसमें केंद्र बिंदु व्यक्ति है। उदारवाद के लिये परिवार, समाज या समुदाय जैसी इकाइयों का अपने आप में कोई महत्त्व नहीं है। उनके लिये, इन इकाइयों का महत्त्व तभी है, जब व्यक्ति इन्हें महत्त्व दे। उदाहरण के लिये, उदारवादी कहेंगे कि किसी से विवाह करने का निर्णय व्यक्ति को लेना चाहिये, परिवार, जाति या समुदाय को नहीं। उदारवादी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को समानता जैसे अन्य मूल्यों से अधिक वरीयता देते हैं। ऐतिहासिक रूप से उदारवाद ने मुक्त बाज़ार और राज्य की भूमिका का पक्ष लिया है। हालाँकि, अब वे कल्याणकारी राज्य की भूमिका को स्वीकार करते हैं और मानते हैं कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने वाले उपायों की ज़रूरत है। अत: उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं।

3. कथन (A) : स्वतंत्रता से जुड़े मामलों में राज्य किसी व्यक्ति को ऐसे कार्य करने से रोक सकता है जो किसी अन्य को नुकसान पहुँचाते हों।

कारण (R) : चूँकि स्वतंत्रता मानव समाज के केंद्र में है और गरिमापूर्ण मानव जीवन के लिये बेहद महत्त्वपूर्ण है, इसलिये इस पर प्रतिबंध बहुत ही खास स्थिति में लगाया जा सकता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिये-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर : (a)

व्याख्या : ऐसे कार्य जो दूसरों पर असर डालते हैं, जिनके बारे में कहा जा सकता है कि उनकी गतिविधियों से दूसरों का नुकसान होता है तो ऐसी स्थिति में राज्य का कर्त्तव्य बनता है कि वे लोगों को होने वाले नुकसान से बचाए। अत: ऐसे मामलों में राज्य किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता पर आंशिक प्रतिबंध लगा सकता है। इस प्रकार कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

4. *"तुम जो कहते हो मैं उसका समर्थन नहीं करता। लेकिन मैं मरते दम तक तुम्हारे कहने के अधिकार का बचाव करूँगा"* यह कथन अनुच्छेद-19 के द्वारा दिये गए छ: स्वतंत्रता के अधिकारों में से किस अधिकार के विषय में कहा गया है?

(a) वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार
(b) शांतिपूर्वक और निरायुध सम्मेलन का अधिकार
(c) संगम, संघ या सहकारी समितियाँ बनाने का अधिकार
(d) भारत के राज्यक्षेत्र में सर्वत्र अबाध संचरण का अधिकार

उत्तर : (a)

व्याख्या : उपर्युक्त कथन वाल्टेयर का है। यह कथन 'वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार' के विषय में कहा गया है। भारतीय संविधान में भारतीय नागरिकों को अनुच्छेद-12 से 35 तक छह मूल अधिकार दिये गए हैं जिनमें स्वतंत्रता का अधिकार अनुच्छेद-19 से 22 तक दिया गया है। इन्हीं स्वतंत्रता के अधिकारों के अंतर्गत अनुच्छेद-19(1)(a) में वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का ज़िक्र मिलता है।

3. समानता

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. फ्राँसीसी क्रांति में विद्रोहियों द्वारा 'स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा' का नारा दिया गया था।
2. समानता की मांग बीसवीं शताब्दी में एशिया और अफ्रीका के उपनिवेश विरोधी स्वतंत्रता संघर्षों के दौरान भी उठी थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

भारत का संविधान : सिद्धांत और व्यवहार

1. संविधान - क्यों और कैसे?

1. संविधान के निम्नलिखित कार्यों के संबंध में विचार करें-

1. बुनियादी नियमों का समूह उपलब्ध कराना
2. नागरिकों के अधिकारों पर नियंत्रण के संदर्भ में दिशा-निर्देश
3. कुछ साझे मूल्यों की अभिव्यक्ति करना
4. न्यायपूर्ण समाज को सुनिश्चित करना
5. यह सुनिश्चित करना कि सत्ता में अच्छे लोग आएँ

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 5

(c) केवल 2 और 3 (d) केवल 1, 2, 3 और 4

उत्तर : (b)

व्याख्या : संविधान का कार्य है कि वह बुनियादी नियमों का ऐसा समूह उपलब्ध कराए जिससे समाज के सदस्यों में न्यूनतम समन्वय और विश्वास बना रहे। संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदत्त अधिकारों पर नियंत्रण लगाने के संदर्भ में संविधान में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिये गए हैं। कोई भी सरकार कुछ विषम परिस्थितियों में ही उन्हें सीमित कर सकती है, लेकिन उन्हें समाप्त नहीं कर सकती। उसमें भी अनुच्छेद-20 व 21 के मूल अधिकार को किसी भी परिस्थिति में नहीं छीना जा सकता। साझे मूल्य, स्वतंत्रता, बंधुता व धार्मिक-राजनीतिक स्वछंदताएँ, हमें संविधान के द्वारा प्राप्त हैं। स्वतंत्र न्यायपालिका के माध्यम से न्याय व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया है। संविधान में सत्ता में आने की प्रक्रिया व उनको प्राप्त अधिकारों का स्पष्ट उल्लेख है लेकिन उनकी योग्यता के संदर्भ में इतनी चुस्ती नहीं दिखाई गई है अर्थात् ये सुनिश्चित करना कि सत्ता में अच्छे लोग ही आएँ व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. भारतीय संविधान, सरकार को लोकहितकारी कार्य करने हेतु अधिकार प्रदान करता है।
2. समाज की आकांक्षाओं व उनके लक्ष्यों की अभिव्यक्ति को सुनिश्चित करने का दायित्व सरकार का होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (c) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या : संविधान, सरकार को लोकहितकारी कार्य करने, समाज की आकांक्षाओं व उनके लक्ष्यों को सुनिश्चित करने का सामर्थ्य प्रदान करता है। अत: कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. संविधान के माध्यम से ही किसी समाज की एक सामूहिक इकाई के रूप में पहचान होती है।
2. संविधान आधिकारिक बंधन लगाने के साथ-साथ सभी नागरिकों को नैतिक पहचान भी देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)

व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

4. कथन (A): किसी भी देश का संविधान, उस देश के नागरिकों की आकांक्षाओं का पिटारा है।

कारण (R): संविधान निर्माताओं का मानना था कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को बुनियादी भौतिक ज़रूरतों और शिक्षा सहित गरिमा और सामाजिक आत्म सम्मान से लबरेज़ जीवन जीने हेतु सभी आधार प्राप्त होने चाहिये।

नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये-

(a) (A) व (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) (A) व (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर : (a)

व्याख्या : किसी भी देश के संविधान निर्माता वहाँ की जनता की आधारभूत आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हीं के अनुसार संविधान के मूल्यों का सृजन करते हैं।

5. कथन (A): संविधान सरकार को शक्तियों को नियंत्रित करने वाले नियमों और कानूनों के साथ ऐसी शक्तियाँ भी देता है जिससे वह समाज की सामूहिक भलाई के लिये काम कर सके।

कारण (R): भारतीय संविधान जाति या नस्ल को नागरिकता के आधार के रूप में मान्यता प्रदान करता है।

नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर : (c)

व्याख्या : कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) गलत है।
भारतीय संविधान जाति या नस्ल को नागरिकता के आधार के रूप में मान्यता प्रदान नहीं करता है।

स्वतंत्र भारत में राजनीति

1. राष्ट्र-निर्माण की चुनौतियाँ

1. स्वतंत्रता प्राप्ति के समय राष्ट्र के सामने क्या-क्या मुख्य चुनौतियाँ थीं?

1. एकता के सूत्र में भारत को गढ़ने की
2. लोकतंत्र को कायम रखने की
3. समावेशी विकास की
4. आतंकवाद से मुक्ति की

कूट:

(a) केवल 2 और 3 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (b)
व्याख्या : स्वतंत्रता प्राप्ति के समय राष्ट्र के सामने मुख्यत: एकता के सूत्र में भारत को गढ़ने की, लोकतंत्र को कायम रखने की एवं समावेशी विकास की चुनौतियाँ थीं। आतंकवाद तत्कालीन चुनौती नहीं थी।

2. गांधीजी द्वारा जनवरी 1948 में रखे गए उपवास के फलस्वरूप कौन-सा/से परिवर्तन दिखाई देने लगा/लगे?

1. सांप्रदायिक तनाव और हिंसा में कमी हुई।
2. दिल्ली व उसके आस-पास के इलाकों में मुसलमान सुरक्षित अपने घरों में वापस आ गए।
3. भारत सरकार पाकिस्तान को उसका देय चुकाने पर राज़ी हो गई।

कूट:

(a) केवल 2 (b) केवल 1 और 2
(c) 1, 2 और 3 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (c)
व्याख्या : गांधीजी चाहते थे कि मुसलमानों को भारत में गरिमापूर्ण जीवन मिले और उन्हें बराबर का नागरिक माना जाए। भारत और पाकिस्तान के आपसी संबंधों को लेकर भी उनके मन में गहरी चिंताएँ थीं। उन्हें लग रहा था कि भारत पाकिस्तान के प्रति अपनी वित्तीय वचनबद्धताओं को पूरा नहीं करेगा। अत: जनवरी 1948 में गांधीजी 'उपवास' पर बैठ गए। उनके उपवास का लोगों पर जादुई असर हुआ। सांप्रदायिक तनाव और हिंसा में कमी हुई। दिल्ली व उसके आसपास के इलाकों के मुसलमान सुरक्षित अपने घरों में वापस लौट आए तथा भारत सरकार पाकिस्तान को उसका देय चुकाने को राज़ी हो गई। अत: दिये गए सभी कथन सत्य हैं।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. अंग्रेज़ी प्रभुत्व के अंतर्गत आने वाले भारतीय साम्राज्य के एक-तिहाई हिस्से में रजवाड़े कायम थे।
2. राजाओं ने ब्रिटिश-राज की अधीनता स्वीकार कर रखी थी और उन्हीं के अंतर्गत वे अपने घरेलू मामलों का शासन चलाते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)
व्याख्या : अंग्रेज़ी प्रभुत्व के अंतर्गत आने वाले भारतीय साम्राज्य के एक-तिहाई हिस्से में रजवाड़े कायम थे। राजाओं ने ब्रिटिश-राज की अधीनता स्वीकार कर रखी थी और उन्हीं के अंतर्गत वे अपने घरेलू मामलों का शासन चलाते थे। अत: दिये गए दोनों ही कथन सत्य हैं।

4. हैदराबाद रियासत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. तेलंगाना इलाके के किसान निज़ाम के दमनकारी शासन से पीड़ित थे।
2. निज़ाम के शासन में महिलाओं पर अत्यंत ज़ुल्म किये गए।
3. निज़ाम के विरुद्ध छिड़े आंदोलन में कम्युनिस्ट और हैदराबाद कॉन्ग्रेस अग्रिम पंक्ति में थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (c)
व्याख्या : हैदराबाद बहुत बड़ी रियासत थी। इसके कुछ हिस्से आज के महाराष्ट्र तथा कर्नाटक में और बाकी हिस्से आंध्र प्रदेश में हैं। हैदराबाद के शासक को निज़ाम कहा जाता था, वह दुनिया के सबसे दौलतमंद लोगों में शुमार था। आज़ादी के बाद हैदराबाद की रियासत के लोगों के बीच निज़ाम के शासन के खिलाफ एक आंदोलन ने ज़ोर पकड़ा। तेलंगाना इलाके के किसान निज़ाम के दमनकारी शासन से खासतौर पर दुखी थे। वे निज़ाम के खिलाफ उठ खड़े हुए। महिलाएँ निज़ाम के शासन में सबसे ज़्यादा ज़ुल्म का शिकार हुईं। हैदराबाद शहर इस आंदोलन का गढ़ बन गया। कम्युनिस्ट और हैदराबाद कॉन्ग्रेस इस आंदोलन की अग्रिम पंक्ति में शामिल थे।

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. सन् 1920 में कॉन्ग्रेस के नागपुर अधिवेशन में राज्यों के भाषायी आधार पर गठन के सिद्धांत को स्वीकार किया गया था।
2. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कॉन्ग्रेस ने सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के कारण राज्यों का भाषायी आधार पर विभाजन करने से मना कर दिया।
3. केंद्र सरकार ने 1955 में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

अर्थव्यवस्था

खंड-2

अर्थशास्त्र

कक्षा IX

1. पालमपुर गाँव की कहानी

1. निम्नलिखित में से किन-किन चीज़ों की आवश्यकता वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिये होती है?

1. श्रम
2. भूमि
3. मानव पूंजी
4. भौतिक पूंजी

कूट:

(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)

व्याख्या : वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिये चार चीज़ों की आवश्यकता होती है-

- पहली आवश्यकता है, भूमि तथा अन्य प्राकृतिक संसाधन जैसे- जल, वन, खनिज।
- दूसरी आवश्यकता है, श्रम अर्थात् जो लोग काम करेंगे। कुछ उत्पादन क्रियाओं में ज़रूरी कार्यों को करने के लिये बहुत ज़्यादा पढ़े-लिखे कर्मियों की ज़रूरत होती है। जबकि दूसरी क्रियाओं के लिये शारीरिक कार्य करने वाले श्रमिकों की ज़रूरत होती है।
- तीसरी आवश्यकता भौतिक पूंजी है।
- चौथी आवश्यकता के रूप में मानव पूंजी को लिया जाता है। स्वयं उपभोग हेतु या बाज़ार में बिक्री हेतु उत्पादन करने के लिये भूमि, श्रम और भौतिक पूंजी को एक साथ कार्य करने योग्य बनाने के लिये ज्ञान और उद्यम की आवश्यकता पड़ेगी। इसे मानव पूंजी कहा जाता है।

2. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

1. भौतिक पूंजी के अंतर्गत नकद मुद्रा तथा कच्चा माल इत्यादि मदों को स्थायी पूंजी कहा जाता है।
2. भौतिक पूंजी के अंतर्गत भवन, मशीन तथा औज़ार इत्यादि मदों को कार्यशील पूंजी कहते हैं।
3. भौतिक पूंजी को स्थायी पूंजी तथा कार्यशील पूंजी के रूप में बाँटा जाता है।

कूट:

(a) केवल 3 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर : (a)

व्याख्या : भौतिक पूंजी, उत्पादन के लिये एक आवश्यक कारक है। भौतिक पूंजी के अंतर्गत औज़ार, मशीनें, भवन, कच्चा माल तथा नकद मुद्रा मदें आती हैं। अत: कथन 1 और 2 सत्य हैं।

औज़ार, मशीनों और भवनों का उत्पादन में कई वर्षों तक प्रयोग होता है इसलिये इन्हें स्थायी पूंजी कहा जाता है। कच्चा माल तथा नकद मुद्रा को कार्यशील पूंजी कहते हैं। अत: कथन 3 सत्य नहीं है।

3. भारत में हरित क्रांति के सदंर्भ में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये-

1. हरित क्रांति के दौरान चावल और गेहूँ की खेती पर अधिक बल दिया गया।
2. हरित क्रांति की शुरुआत भारत में 1960 के दशक के अंत में हुई।
3. किसानों ने हरित क्रांति के दौरान अधिक उपज वाले बीजों का प्रयोग किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)

व्याख्या : उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

1960 के दशक के अंत में हरित क्रांति ने भारतीय किसानों को अधिक उपज वाले बीजों (एच.वाई.वी) के द्वारा गेहूँ और चावल की खेती के तरीके सिखाए। इस कारण हरित क्रांति का प्रभाव मुख्य रूप से गेहूँ एवं धान की खेती पर ही दिखाई पड़ता है।

परंपरागत बीजों की तुलना में एच.वाई.वी. बीजों से एक ही पौधे से ज़्यादा मात्रा में अनाज पैदा होने की आशा थी। जिसके परिणामस्वरूप ज़मीन के उसी टुकड़े में पहले की अपेक्षा कहीं अधिक अनाज की मात्रा पैदा होने लगी।

4. हरित क्रांति का प्रभाव मुख्य रूप से किन-किन क्षेत्रों में था?

(a) तमिलनाडु, पंजाब, गुजरात
(b) पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब
(c) हरियाणा, पंजाब, गुजरात
(d) पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश

उत्तर : (d)

व्याख्या : भारत में हरित क्रांति का प्रभाव संपूर्ण भारत में न होकर पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्रों तक ही सीमित रहा। इन क्षेत्रों के किसान संपन्न थे तथा हरित क्रांति में प्रयोग की जाने वाली तकनीकें महँगी थीं। इसलिये यहाँ के किसानों ने खेती के आधुनिक तरीकों का सबसे पहले प्रयोग किया। किसानों ने ट्रैक्टर और फसल लगाने के लिये मशीनें खरीदीं जिसने काम को तेज़ कर दिया। इससे उन्हें गेहूँ की ज़्यादा पैदावार प्राप्त हुई।

2. संसाधन के रूप में लोग

1. मानव पूंजी के संदर्भ में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये-

1. मानव पूंजी में निवेश, भौतिक पूंजी की ही भाँति प्रतिफल प्रदान करता है।
2. जब शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं के द्वारा मानव संसाधन को विकसित किया जाता है तब इसे मानव पूंजी निर्माण कहते हैं।

आर्थिक विकास की समझ

1. विकास

1. किसी भी राष्ट्र की औसत आय/प्रति व्यक्ति आय की गणना निम्नलिखित में से किस प्रकार की जा सकती है?

(a) जिन व्यक्तियों की वार्षिक आय ₹1 लाख है, उनकी कुल आय को कुल जनसंख्या से गुणा करके।

(b) देश की कुल आय को कुल जनसंख्या से भाग देकर।

(c) सरकार द्वारा प्राप्त कुल कर की राशि को कुल जनसंख्या से भाग देकर।

(d) गरीबी रेखा से ऊपर के लोगों की कुल आय को कुल जनसंख्या से भाग देकर।

उत्तर : (b)

व्याख्या : किसी भी देश की आय उस देश के सभी निवासियों की आय है। लेकिन देशों के बीच तुलना करने के लिये कुल आय इतना उपयुक्त माप नहीं है। क्योंकि हर देश की जनसंख्या अलग-अलग होती है। क्या एक देश के लोग दूसरे देश के लोगों से बेहतर हैं? वस्तुतः इसके लिये हम औसत आय की तुलना करते हैं। औसत आय देश की कुल आय को कुल जनसंख्या से भाग देकर निकाली जाती है। औसत आय को प्रतिव्यक्ति आय भी कहा जाता है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. किसी वर्ष में प्रति 100 जीवित शिशुओं पर उसी वर्ष मृत शिशुओं की संख्या को शिशु मृत्यु दर कहते हैं।
2. किसी क्षेत्र विशेष में 1 वर्ष में प्रति 1000 जीवित जन्मे शिशुओं की संख्या के अनुपात में 1 वर्ष या उससे कम उम्र वाले मृत शिशुओं की संख्या को शिशु मृत्यु दर कहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या : शिशु मृत्यु दर किसी वर्ष में पैदा हुए 1000 जीवित बच्चों में से एक वर्ष की आयु से पहले मर जाने वाले बच्चों का अनुपात दर्शाती है।

3. निम्नलिखित में से भारत के किस राज्य में शिशु मृत्यु दर सबसे कम है?

(a) पश्चिम बंगाल (b) केरल

(c) महाराष्ट्र (d) तमिलनाडु

उत्तर : (b)

व्याख्या : केरल में शिशु मृत्यु दर सबसे कम है। (स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण, 2018–19 भाग-2)। केरल में शिशु मृत्यु दर कम इसलिये है, क्योंकि यहाँ स्वास्थ्य एवं शिक्षा की मौलिक सुविधाएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

4. निम्नलिखित में से किस संस्था द्वारा 'मानव विकास रिपोर्ट' का प्रकाशन किया जाता है?

(a) विश्व बैंक

(b) विश्व आर्थिक मंच

(c) विश्व स्वास्थ्य संगठन

(d) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

उत्तर : (d)

व्याख्या : संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा 1990 से मानव संसाधन के संपोषणीय एवं सृजनात्मक विकास के संबंध में एक रिपोर्ट पेश की जाती है, जिसे मानव विकास रिपोर्ट (Human Development Report) के नाम से जाना जाता है। यह रिपोर्ट मानव विकास स्तर के अनुसार सभी देशों की क्रमानुसार सूची उपलब्ध कराती है।

5. मानव विकास के मापन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. मानव विकास के मापन के संबंध में संसाधनों तक पहुँच को कार्यशक्ति के संदर्भ में मापा जाता है।
2. मानव विकास रिपोर्ट विभिन्न देशों के संदर्भ में उनकी रैंकिंग शैक्षिक स्तर, लोगों की स्वास्थ्य स्थिति तथा प्रति व्यक्ति आय के आधार पर तय करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)

व्याख्या: उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

मानव विकास के सूचकों में लोगों की संसाधनों तक पहुँच को क्रय शक्ति (अमेरिकी डॉलर में) के संदर्भ में मापा जाता है।

यूएनडीपी द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट, देशों की तुलना लोगों के शैक्षिक स्तर, उनकी स्वास्थ्य स्थिति और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर करती है। इन्हीं क्षेत्रों की उपलब्धियों के आधार पर ही मानव विकास सूचकांक विभिन्न देशों में मानव विकास प्राप्तियों का मापन करता है।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा किसी देश की आर्थिक संवृद्धि का सबसे उपयुक्त मापदंड है?

(a) साक्षरता दर (b) शिशु मृत्यु दर

(c) प्रति व्यक्ति आय (d) सकल घरेलू उत्पाद

उत्तर : (c)

व्याख्या: किसी देश की संवृद्धि को मापने का सबसे उपयुक्त मापदंड उसकी प्रति व्यक्ति आय है। जिन देशों की प्रति व्यक्ति आय अधिक होती है उन्हें कम प्रति व्यक्ति आय वाले देशों की तुलना में विकसित समझा जाता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास

इकाई-I : विकास नीतियाँ और अनुभव (1947-90)

1. स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था

1. औपनिवेशिक शासन के अंतर्गत भारत में आर्थिक विकास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. इस काल में देश में विनिर्माण गतिविधियों की चर्चा नहीं मिलती है।
2. इस काल में इंग्लैंड ने भारत को मात्र कच्चे माल का आपूर्तिकर्त्ता बनाए रखा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या : औपनिवेशिक काल में देश की अर्थव्यवस्था में विभिन्न प्रकार की विनिर्माण संबंधी गतिविधियाँ हो रही थीं। सूती व रेशमी वस्त्रों, धातु आधारित तथा बहुमूल्य मणि-रत्न आदि से जुड़ी शिल्पकलाओं के केंद्र के रूप में भारत विश्व भर में विख्यात हो चुका था। अत: कथन 1 सत्य नहीं है।

औपनिवेशिक शासकों की आर्थिक नीतियों ने भारत की अर्थव्यवस्था के मूल रूप को ही बदल डाला। अब भारत, इंग्लैंड को कच्चे माल की आपूर्ति करने वाला देश बन कर रह गया था। अत: कथन 2 सत्य है।

2. नीचे दिये गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िये-

1. औपनिवेशिक शासकों की आर्थिक नीतियाँ शासित देश और वहाँ के लोगों के आर्थिक हितों के संरक्षण और संवर्धन से प्रेरित थीं।
2. अंग्रेज़ी शासन की स्थापना से पूर्व भारत एक स्वतंत्र अर्थव्यवस्था था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या : औपनिवेशिक शासकों की आर्थिक नीतियाँ शासित देश और वहाँ के लोगों के आर्थिक विकास से नहीं बल्कि इंग्लैंड के आर्थिक हितों के संरक्षण और संवर्धन से प्रेरित थीं। उदाहरणस्वरूप, बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में भारत की राष्ट्रीय आय की वार्षिक संवृद्धि दर 2 प्रतिशत से कम थी जबकि प्रतिव्यक्ति उत्पादन वृद्धि दर मात्र आधा प्रतिशत ही थी। अत: कथन 1 गलत है।

अंग्रेज़ी शासन की स्थापना से पूर्व भारत की अपनी स्वतंत्र अर्थव्यवस्था थी, परंतु औपनिवेशिक शासन द्वारा अपनाई गई नीतियों ने भारत की अर्थव्यवस्था के मूल रूप को बदल कर रख दिया। अत: कथन 2 सही है।

3. ब्रिटिश शासन के अंतर्गत 'कृषि की दशा' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. इस काल में कृषि उत्पादन में वृद्धि देखी गई।
2. कृषि का व्यवसायीकरण नहीं हुआ था।
3. इस काल में कृषि उत्पादकता कम रही।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर : (c)

व्याख्या : इस काल में भारत मूलत: कृषि आधारित अर्थव्यवस्था बना रहा कृषि अधीन क्षेत्र के प्रसार के कारण कुल कृषि उत्पादन में वृद्धि देखी गई। अत: कथन 1 सत्य है।

इस काल में देश के कुछ क्षेत्रों में कृषि के व्यवसायीकरण के कारण नगदी फसलों की उच्च उत्पादकता के लाभ किसानों को नहीं मिल पाते थे परंतु व्यवसायीकरण हो रहा था। अत: कथन 2 सत्य नहीं है।

इस काल में कृषि उत्पादकता में कमी निरंतर आती रही। इसकी वजह भू-व्यवस्था प्रणालियों को माना जा सकता है, जो पूरे बंगाल प्रेसीडेंसी में लागू थी। यह एक ज़मींदारी व्यवस्था थी। अत: कथन 3 सत्य है।

4. औपनिवेशिक शासन के अंतर्गत कृषि के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. ब्रिटिश औपनिवेशिक शासनकाल में कृषि क्षेत्र में वृद्धि के कारण कुल कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई।
2. इस काल के अंतर्गत भारत मूलत: एक कृषि अर्थव्यवस्था से एक औद्योगिक अर्थव्यवस्था में बदल गया।
3. इस काल में एक बड़ी जनसंख्या का व्यवसाय होने के बाद भी कृषि क्षेत्र में गतिहीन विकास की प्रक्रिया चलती रही।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर : (a)

व्याख्या : ब्रिटिश औपनिवेशिक शासनकाल के अंतर्गत कृषि क्षेत्र में वृद्धि के कारण कुल कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई। परंतु कृषि उत्पादकता में कमी आती रही। कृषि क्षेत्रक की गतिहीनता का मुख्य कारण औपनिवेशिक शासन द्वारा लागू की गई भू-राजस्व प्रणालियों को ही माना जा सकता है। अत: कथन 1 और 3 सही हैं।

ब्रिटिश औपनिवेशिक शासनकाल के अंतर्गत भारत मूलत: एक कृषि अर्थव्यवस्था ही बना रहा। देश की 85 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में बसी थी और प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से आजीविका के लिये कृषि पर निर्भर थी। अत: कथन 2 गलत है।

कक्षा XII

समष्टि अर्थशास्त्र : एक परिचय

1. परिचय

1. समष्टि अर्थशास्त्र में 'आर्थिक एजेंट' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. व्यक्ति अथवा संस्थाएँ जो आर्थिक निर्णय लेते हैं आर्थिक एजेंट कहलाते हैं।
2. आर्थिक एजेंट के अंतर्गत सरकार, निगम, बैंक जैसी संस्थाएँ भी शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।
आर्थिक इकाई अथवा आर्थिक एजेंट से तात्पर्य उन व्यक्तियों अथवा संस्थाओं से है जो आर्थिक निर्णय लेते हैं। वे उपभोक्ता हो सकते हैं जो यह निर्णय लेते हैं कि 'क्या' और 'कितना' उपभोग करना है। वे वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादक भी हो सकते हैं जो यह निर्णय लेते है कि 'क्या' उत्पादन करना है और 'कितना' करना है। वे सरकार, निगम, बैंक जैसी संस्थाएँ भी हो सकती हैं जो विभिन्न प्रकार के आर्थिक निर्णय लेते हैं जैसे कितना खर्च करना है, साख पर कितना ब्याज दर लेना है, कितना कर लगाना है।

2. 'द जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी' पुस्तक के लेखक निम्नलिखित में से कौन हैं?

(a) जॉन मेनार्ड कीन्स
(b) एडम स्मिथ
(c) अमर्त्य सेन
(d) पॉल सैमुअल्सन

उत्तर : (a)
व्याख्या : समष्टि अर्थशास्त्र का एक अलग शाखा के रूप में उद्भव ब्रिटिश अर्थशास्त्री 'जॉन मेनार्ड कीन्स' की प्रसिद्ध पुस्तक 'द जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी' के 1936 ई. में प्रकाशित होने के बाद हुआ।

3. वैश्विक आर्थिक महामंदी का दौर शुरू हुआ था-

(a) 1923 में (b) 1928 में
(c) 1929 में (d) 1920 में

उत्तर : (c)
व्याख्या : वैश्विक आर्थिक महामंदी का दौर वर्ष 1929 में शुरू हुआ था। 1929 की महामंदी और उसके बाद के वर्षों में यह देखा गया कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों में निर्गत और रोज़गार के स्तरों में भारी गिरावट आई।

4. निम्नलिखित में से किसे समष्टि अर्थशास्त्र का जनक माना जाता है?

(a) एडम स्मिथ (b) कार्ल मार्क्स
(c) अल्फ्रेड मार्शल (d) जे. एम. कीन्स

उत्तर : (d)
व्याख्या : समष्टि अर्थशास्त्र का जनक ब्रिटिश अर्थशास्त्री 'जॉन मेनार्ड कीन्स' को माना जाता है।

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों में रोज़गार के स्तरों में भारी गिरावट
2. कारखानों का बंद होना
3. बेरोज़गारी में वृद्धि
4. अमेरिका के समस्त निर्गत में 33 प्रतिशत की गिरावट

उपर्युक्त में से कौन-सा/से वर्ष 1929 की महामंदी का/के प्रभाव है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : वर्ष 1929 की महामंदी और उसके बाद के वर्षों में देखा गया कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों में निर्गत और रोज़गार के स्तरों में भारी गिरावट आई। इसका प्रभाव दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ा। बाज़ार में वस्तुओं की मांग कम थी और कई कारखाने बेकार पड़े थे, श्रमिकों को काम से निकाल दिया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका में 1929 से 1933 तक बेरोज़गारी की दर 3 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। उस अवधि के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका में समस्त निर्गत (Aggregate Output) में लगभग 33 प्रतिशत की गिरावट आई।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'बेरोज़गारी दर' को परिभाषित करता है?

(a) लोगों की संख्या जो काम नहीं करती किंतु काम की इच्छुक है।
(b) लोगों की संख्या जो काम करती है लेकिन वेतन पर नहीं।
(c) लोगों की संख्या जो न्यूनतम वेतन पर मज़दूरी करती है।
(d) लोगों की संख्या जो काम करने के इच्छुक है किंतु काम नहीं करते है, में इच्छुक लोगों की कुल संख्या जो काम करते हैं, को भाग देकर प्राप्त किया जाता है।

उत्तर : (d)
व्याख्या : बेरोज़गारी की दर की परिभाषा इस प्रकार की जा सकती है कि लोगों की संख्या जो काम करने के लिये इच्छुक हैं किंतु काम नहीं करते हैं, में लोगों की कुल संख्या जो काम करने के इच्छुक हैं और काम करते हैं, से भाग देकर जो भागफल प्राप्त होता है।

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. किसी व्यक्ति के पास वस्तुओं को खरीदने/क्रय करने की क्षमता आय से होती है।
2. आय की प्राप्ति लाभ, लगान, ब्याज़ के रूप में हो सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

किसी व्यक्ति के पास वस्तुओं को खरीदने की क्षमता आय से होती है। आय की प्राप्ति कोई व्यक्ति श्रमिक (मज़दूरी) अथवा उद्यमी (लाभ) अथवा भूस्वामी (लगान) अथवा पूंजीवादी (ब्याज़) के रूप में प्राप्त करता है। संक्षेप में, उत्पादन के कारकों के स्वामी के रूप में लोग जो आय प्राप्त करते हैं, उनका उपयोग वे वस्तु और सेवाओं की अपनी मांग की पूर्ति के लिये करते हैं।

5. वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के दौरान निम्न में से कितने प्रकार के मौलिक योगदान किये जा सकते हैं?

1. मानवीय श्रम का योगदान
2. स्थिर प्राकृतिक संसाधनों का योगदान
3. पूंजी का योगदान

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1, 2 और 3 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (c)

व्याख्या : वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के दौरान चार प्रकार के मौलिक योगदान किये जा सकते हैं। वे इस प्रकार हैं-

(i) मानवीय श्रम का योगदान
(ii) पूंजी का योगदान
(iii) उद्यमवृत्ति का योगदान
(iv) स्थिर प्राकृतिक संसाधनों का योगदान

6. निम्नलिखित में से कौन-सा 'मूल्यवर्धित' शब्द को सही स्पष्ट करता है?

(a) किसी फर्म का निवल योगदान
(b) किसी परिवार की आय का प्रतिशत
(c) बाह्य क्षेत्रक में निवेश का प्रतिशत
(d) राष्ट्र की आय का निवल लाभ

उत्तर : (a)

व्याख्या : किसी फर्म के निवल योगदान को जिस शब्द से सूचित किया जाता है, उसे मूल्यवर्धित कहते हैं।

7. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये-

1. व्यय विधि - किसी राष्ट्र का सकल व्यय
2. उत्पाद विधि - किसी राष्ट्र के वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य
3. आय विधि - फर्म द्वारा प्राप्त आय का समग्र योग

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सुमेलित नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) केवल 1 और 2

उत्तर : (d)

व्याख्या :

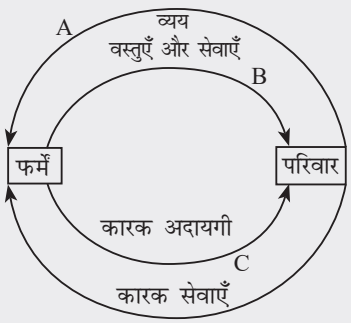

[सरल अर्थव्यवस्था में आय का वर्तुल प्रवाह]

वस्तुओं और सेवाओं के समस्त मूल्य को प्रदर्शित करते हुए मुद्रा का एक ही परिणाम वर्तुल पथ पर गमन करता है। यदि हम वस्तु और सेवाओं के समस्त मूल्यों का एक वर्ष के दौरान आकलन करना चाहें, तो आरेख में निर्देशित किसी बिंदु-रेखाओं पर अंकित प्रवाह का वार्षिक मूल्य की माप कर सकते हैं। हम सभी फर्मों द्वारा उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के समस्त मूल्यों का मूल्यांकन करते हुए (A पर) प्रवाह का मापन कर सकते हैं। यह विधि व्यय विधि कहलाएगी। यदि हम (B पर) सभी फर्मों द्वारा उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के समस्त मूल्यों की माप करते हैं तो यह विधि उत्पाद विधि कहलाएगी। (C पर) सभी कारक अदायगियों के कुल योग का मापन आय विधि कहलाएगी। अत: 1 और 2 सुमेलित नहीं हैं।

8. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सकल घरेलू उत्पाद को परिभाषित करता है?

(a) किसी घरेलू अर्थव्यवस्था में एक वर्ष के दौरान अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य।
(b) किसी अर्थव्यवस्था में कृषि उत्पाद का समग्र मूल्य।
(c) किसी अर्थव्यवस्था में सेवाओं का मूल्य।
(d) किसी अर्थव्यवस्था में समस्त वस्तुओं का मूल्य।

उत्तर : (a)

व्याख्या : सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में किसी घरेलू अर्थव्यवस्था के अंतर्गत एक वर्ष के दौरान अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के समस्त उत्पादन की माप की जाती है। किंतु इसका संपूर्ण उत्पादन देश की जनता को प्राप्त नहीं हो सकता है।

उदाहरण के लिये, भारत के नागरिक सऊदी अरब में मज़दूरी अर्जित करते हैं जो सऊदी अरब के सकल घरेलू उत्पाद में शामिल होगा। विधिक रूप से वह एक भारतीय है।

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. सकल राष्ट्रीय उत्पाद से मूल्यह्रास को घटाने पर जो आय प्राप्त होती है उसे सकल राष्ट्रीय उत्पाद कहते हैं।
2. सकल घरेलू उत्पाद में शेष विश्व में नियुक्त उत्पादन के घरेलू कारकों द्वारा अर्जित आय जोड़ने पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद प्राप्त होता है।

दृष्टि The Vision

घर बैठे IAS/PCS की संपूर्ण तैयारी करने के लिये आपका स्वागत है

Drishti Learning App पर

GET IT ON Google Play

अपने एंड्रॉयड फोन पर आज ही इंस्टॉल करें

ऐप की विशेषताएँ

- टीम दृष्टि द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाएँ एक ही मंच पर।
- ऑनलाइन, पेनड्राइव मोड में कक्षाएँ उपलब्ध।
- प्रिलिम्स और मेन्स की टेस्ट सीरीज़ भी ऐप के माध्यम से उपलब्ध।
- सभी पुस्तकें, मैगजीन, डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम के नोट्स देखने व मंगवाने की सुविधा।

ऑनलाइन कोर्स की विशेषताएँ

- घर बैठे देश के सर्वोत्कृष्ट अध्यापकों से पढ़ने की सुविधा।
- अब दिल्ली या किसी बड़े शहर जाकर पढ़ने की मजबूरी नहीं।
- IAS और PCS के कोर्स उपलब्ध।
- ऑनलाइन कोर्स करने के बाद, क्लासरूम कोर्स में प्रवेश लेने पर शुल्क में विशेष छूट।
- हर क्लास अपनी सुविधा से 3 बार देखने की सुविधा।
- उत्तर लिखकर चेक कराने तथा संदेह-समाधान की व्यवस्था भी शीघ्र उपलब्ध।
- कई विषयों के कोर्स ऑनलाइन और पेनड्राइव मोड में भी उपलब्ध।

दृष्टि आई.ए.एस. (दिल्ली शाखा) का पता
641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-09
8448485519, 87501 87501, 011-47532596

दृष्टि आई.ए.एस. (प्रयागराज शाखा) का पता
ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज
8448485518, 8750187501, 8929439702

दृष्टि आई.ए.एस. (राजस्थान शाखा) का पता
प्लॉट नंबर-45 व 45-A, हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड़, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर राजस्थान-302018
8448485518, 8750187501, 8929439702

दृष्टि पब्लिकेशन्स की प्रमुख पुस्तकें

641, 1st Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9
Ph.: 011-47532596, 87501 87501
Website: www.drishtiias.com
E-mail: booksteam@groupdrishti.com

मूल्य : ₹ 150